Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 26

No. of Printed Pages – 7

VU–21–Hindi Sah.

यहाँ से काटिए

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2019

VARISTHA UPADHYAYA EXAMINATION, 2019

हिन्दी साहित्य

समय : 3¼ **घण्टे**

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम प्रश्न – पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

5) उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द – सीमा में ही सुपाठ्य लिखें ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – 'अ'

1) छायावाद की प्रमुख विशेषताओं एवं कवियों का उल्लेख कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

2) भारतेन्दु युग के गद्य साहित्य की समीक्षा लिखिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

3) रेखाचित्र और संस्मरण विधा की परिभाषा देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

4) आधुनिक हिंदी नाटक परंपरा पर टिप्पणी लिखिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

खण्ड – 'ब'

5) ओज गुण की परिभाषा लिखिए। [1]

(उत्तर सीमा 10 शब्द)

6) काव्य दोष किसे कहते हैं? [1]

(उत्तर सीमा 10 शब्द)

7) गीतिका छंद की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 50 शब्द)

8) द्रुतविलम्बित और वंशस्थ छंद की परिभाषा देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 50 शब्द)

9) दृष्टांत अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। [4]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

10) समासोक्ति एवं अन्योक्ति अलंकार का उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

खण्ड – 'स'

11) निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 80 शब्दों में कीजिए। [3]

अब मुझे मालूम हुआ कि कल गया ने मेरे साथ खेला नहीं, केवल खेलने का बहाना किया। उसने मुझे दया का पात्र समझा। मैंने धाँधली की, बेईमानी की, पर उसे जरा क्रोध न आया। इसीलिए की वह खेल न रहा था, मुझे खेला रहा था, मेरा मन रख रहा था। वह मुझे पदाकर मेरा कचूमर नहीं निकालना चाहता था। मैं अब अफसर हूँ। यह अफसरी मेरे और उसके बीच में दीवार बन गई है। मैं अब उसका लिहाज पा सकता हूँ, अदब पा सकता हूँ, साहचर्य नहीं पा सकता।

अथवा

हमारी जिस संपन्नता का वर्णन इतिहास में मिलता है, वह कहीं से लूटकर तो नहीं लाए थे। सब कुछ अपने देश में उत्पन्न किया था। वह भूमि वे संसाधन आज भी हमारे पास हैं, जिनके बल पर हम फिर उसी संपन्नता को अर्जित कर सकते हैं। केवल संसाधनों के उचित दोहन व अपनी आवश्यकता के अनुसार उपयोग करने की है। जैसे ही हम आवश्यक संतुलन बना लेंगे, हम अपना पुराना वैभव फिर से प्राप्त कर लेंगे।

12) निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 80 शब्दों में कीजिए। [3]

चिंता तो हरि नाँव की, और न चितवै दास।

जे कछु चितवै राम बिन, सोइ काल के पास।।

नैनां अंतरि आव तू, नैन झाँपि तोहि लेउँ।

ना हौ देखौं और कूँ, ना तुझ देखन देउँ।।

अथवा

आह! इस खेवा की ! –

कौन थामता है पतवार ऐसे अंधड़ में,

अन्धकार–पारावार गहन नियति–सा

उमड़ रहा है, ज्योति–रेखाहीन–क्षुब्ध हो

वींच ले चला है –

काल–धीवर अनन्त में

साँस–सफरी–सी अटकी है, किसकी आशा में?

13) भक्ति आंदोलन में तुलसी के योगदान पर अपने मौलिक विचार लिखिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

'सेव और देव' कहानी अधर्म पर धर्म की विजय है। कथन पर समीक्षात्मक दृष्टि से विवेचन कीजिए।

14) रहीम के दोहों की भाषागत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

'यशोधरा' पठित काव्यांश के आधार पर यशोधरा की मनोस्थिति का चित्रण कीजिए।

15) परसाई जी के अनुसार प्रयाग और इलाहबाद शब्दों के प्रयोग में क्या अंतर है। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

16) 'अपनी स्त्री का हुलिया लिखवाकर पकड़ मँगाना नीच का काम है।' अलोपी ने ऐसा क्यों कहा? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

17) ''भोर तैं साँझ लौं कानन-ओर निहारति बावरी नैकु न हारति।'' पंक्ति का मंतव्य स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

18) 'किरण-धेनुएँ' कविता में चित्रित प्रकृति सौंदर्य को अपने शब्दों में लिखिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

19) कवि पद्माकर अथवा लेखक बाबू गुलाबराय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर टिप्पणी लिखिए। [2]

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

20) अंततः पाजेब का पता कैसे चलता है? [2]

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

21) मंदोदरी राम और रावण के मध्य क्या अंतर बताती है? [2]

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

खण्ड – 'द'

22) भारत पुण्यभूमि कहलाने की अधिकारी है। क्यों? स्पष्ट कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

सुभद्रा जी की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

23) 'गेहूँ और गुलाब' अध्याय में राक्षसता से बचने का क्या उपाय बताया है? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

24) बोस ने क्रेस्कोग्राफ के माध्यम से क्या सिद्ध किया? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

25) 'भोर का तारा' एकांकी के आधार पर बताइये कि देश कवि से क्या बलिदान माँग रहा था? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

26) सुभाष को साधु जीवन से घृणा क्यों हो गई? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

♣ ♣ ♣

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 26

VU–21–Hindi Sah.

No. of Printed Pages – 7

यहाँ से काटिए

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2019

VARISTHA UPADHYAYA EXAMINATION, 2019

हिन्दी साहित्य

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम प्रश्न – पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।

4) जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द – सीमा में ही सुपाठ्य लिखें।

यहाँ से काटिए

खण्ड – 'अ'

1) छायावाद की प्रमुख विशेषताओं एवं कवियों का उल्लेख कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

2) भारतेन्दु युग के गद्य साहित्य की समीक्षा लिखिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

3) रेखाचित्र और संस्मरण विधा की परिभाषा देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

4) आधुनिक हिंदी नाटक परंपरा पर टिप्पणी लिखिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

खण्ड – 'ब'

5) ओज गुण की परिभाषा लिखिए। [1]

(उत्तर सीमा 10 शब्द)

6) काव्य दोष किसे कहते हैं? [1]

(उत्तर सीमा 10 शब्द)

7) गीतिका छंद की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 50 शब्द)

8) द्रुतविलम्बित और वंशस्थ छंद की परिभाषा देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 50 शब्द)

9) दृष्टांत अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। [4]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

10) समासोक्ति एवं अन्योक्ति अलंकार का उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

खण्ड – 'स'

11) निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 80 शब्दों में कीजिए। [3]
अब मुझे मालूम हुआ कि कल गया ने मेरे साथ खेला नहीं, केवल खेलने का बहाना किया। उसने मुझे दया का पात्र समझा। मैंने धाँधली की, बेईमानी की, पर उसे जरा क्रोध न आया। इसीलिए की वह खेल न रहा था, मुझे खेला रहा था, मेरा मन रख रहा था। वह मुझे पदाकर मेरा कचूमर नहीं निकालना चाहता था। मैं अब अफसर हूँ। यह अफसरी मेरे और उसके बीच में दीवार बन गई है। मैं अब उसका लिहाज पा सकता हूँ, अदब पा सकता हूँ, साहचर्य नहीं पा सकता।

अथवा

हमारी जिस संपन्नता का वर्णन इतिहास में मिलता है, वह कहीं से लूटकर तो नहीं लाए थे। सब कुछ अपने देश में उत्पन्न किया था। वह भूमि वे संसाधन आज भी हमारे पास हैं, जिनके बल पर हम फिर उसी संपन्नता को अर्जित कर सकते हैं। केवल संसाधनों के उचित दोहन व अपनी आवश्यकता के अनुसार उपयोग करने की है। जैसे ही हम आवश्यक संतुलन बना लेंगे, हम अपना पुराना वैभव फिर से प्राप्त कर लेंगे।

12) निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 80 शब्दों में कीजिए। [3]

चिंता तो हरि नाँव की, और न चितवै दास।

जे कछु चितवै राम बिन, सोइ काल के पास।।

नैनां अंतरि आव तू, नैन झाँपि तोहि लेउँ।

ना हौ देखौं और कूँ, ना तुझ देखन देउँ।।

अथवा

आह! इस खेवा की ! –

कौन थामता है पतवार ऐसे अंधड़ में,

अन्धकार–पारावार गहन नियति–सा

उमड़ रहा है, ज्योति–रेखाहीन–क्षुब्ध हो

वींच ले चला है –

काल–धीवर अनन्त में

साँस–सफरी–सी अटकी है, किसकी आशा में?

13) भक्ति आंदोलन में तुलसी के योगदान पर अपने मौलिक विचार लिखिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

'सेव और देव' कहानी अधर्म पर धर्म की विजय है। कथन पर समीक्षात्मक दृष्टि से विवेचन कीजिए।

14) रहीम के दोहों की भाषागत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

'यशोधरा' पठित काव्यांश के आधार पर यशोधरा की मनोस्थिति का चित्रण कीजिए।

15) परसाई जी के अनुसार प्रयाग और इलाहबाद शब्दों के प्रयोग में क्या अंतर है। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

16) 'अपनी स्त्री का हुलिया लिखवाकर पकड़ मँगाना नीच का काम है।' अलोपी ने ऐसा क्यों कहा? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

17) ''भोर तैं साँझ लौं कानन-ओर निहारति बावरी नैकु न हारति।'' पंक्ति का मंतव्य स्पष्ट कीजिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

18) 'किरण-धेनुएँ' कविता में चित्रित प्रकृति सौंदर्य को अपने शब्दों में लिखिए। [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

19) कवि पद्माकर अथवा लेखक बाबू गुलाबराय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर टिप्पणी लिखिए। [2]

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

20) अंततः पाजेब का पता कैसे चलता है? [2]

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

21) मंदोदरी राम और रावण के मध्य क्या अंतर बताती है? [2]

(उत्तर सीमा 40 शब्द)

खण्ड – 'द'

22) भारत पुण्यभूमि कहलाने की अधिकारी है। क्यों? स्पष्ट कीजिए। [4]

(उत्तर सीमा 80 शब्द)

अथवा

सुभद्रा जी की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

23) 'गेहूँ और गुलाब' अध्याय में राक्षसता से बचने का क्या उपाय बताया है? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

24) बोस ने क्रेस्कोग्राफ के माध्यम से क्या सिद्ध किया? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

25) 'भोर का तारा' एकांकी के आधार पर बताइये कि देश कवि से क्या बलिदान माँग रहा था? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

26) सुभाष को साधु जीवन से घृणा क्यों हो गई? [3]

(उत्तर सीमा 60 शब्द)

♣♣♣

DO NOT WRITE ANYTHING HERE